

徐梵澄文集

# 徐梵澄文集

第十卷

母亲的话·三辑

母亲的话·四辑

上海三联书店  
华东师范大学出版社

## 编者说明

“神圣母亲”或“母亲”，皆表尊敬义。其为室利阿罗频多学院另一精神大师，法国人，院母密那氏(Mira)，生于1878年，寂于1973年。密氏出身贵族，从小多才艺，后倾心于精神哲学，致趣于玄秘学术。曾想游历中国，值北洋乱世，未果。往日本时，途经法属南印度之琫地舍里，遇在此避难并隐居的室利阿罗频多，两人论学相契。后母亲由日本返回巴黎，变卖房产，具备款项，于1914年3月29日(此被定为该院之重要节日)再度登岸南印度，从此开启六十年之伟大的精神事业。

1926年，阿氏退隐，母亲遂全面主管院务，她亲手把一“阿施蓝”(修道院)建设成为世人瞩目并敬仰的“阿罗新城”。由她所翻译的阿罗频多重要著作，有若干种，然这《母亲的话》，皆为她所自撰和讲说。甘地尝读并叹曰：“此滴滴甘露也！”

此文集收入《母亲的话》，凡四辑，分别出版于1956、1958和1978年，今分作两卷。尚余有四辑未出版。

## 卷十目录

### 第三辑

|                   |   |
|-------------------|---|
| 答 问.....          | 3 |
| —                 |   |
| 1. 超心思者不能心思化..... | 3 |
| 2. 美的意识.....      | 4 |
| 3. 真底超人.....      | 5 |
| 4. 以身知.....       | 6 |
| 5. 灸 治.....       | 8 |

|                   |    |
|-------------------|----|
| 6. 心思底诚实.....     | 9  |
| 7. 丧 气 .....      | 11 |
| 8. 观心灵 .....      | 13 |
| 9. 心思损经验 .....    | 16 |
| 10. 思想的能为 .....   | 16 |
| 11. 消 遣 .....     | 19 |
| 12. 生活无痛苦 .....   | 20 |
| 13. 世界情势之紧张 ..... | 22 |
| 14. 降世应身 .....    | 26 |

---

## 二

|                    |    |
|--------------------|----|
| 15. 静坐时见相 .....    | 28 |
| 16. 如何训练想象 .....   | 30 |
| 17. 白魔术 .....      | 33 |
| 18. 科学对玄秘法 .....   | 35 |
| 19. 催眠术的效果 .....   | 36 |
| 20. 星象的语言 .....    | 38 |
| 21. 凡人有无精神有体 ..... | 39 |
| 22. 新 生 .....      | 40 |
| 23. 经验的表现 .....    | 42 |
| 24. 为何修道无进步 .....  | 44 |

---

|                   |    |
|-------------------|----|
| 25. 精神定理之结论 ..... | 47 |
|-------------------|----|

### 三

|                     |    |
|---------------------|----|
| 1. 新年寄语(一九五九) ..... | 49 |
| 2. 精神经验 .....       | 53 |
| 3. 知 默 .....        | 57 |
| 4. 人与超人间之等级 .....   | 58 |
| 5. 反对神圣者 .....      | 59 |
| 6. 精神的任务 .....      | 60 |
| 7. 在物质中敬拜至上者 .....  | 63 |

### 四

|                 |    |
|-----------------|----|
| 1. 宗教是否必需 ..... | 63 |
| 2. 集体祈祷 .....   | 65 |
| 3. 精神提拔心思 ..... | 68 |
| 4. 如何胜过困苦 ..... | 70 |
| 5. 求自我发展 .....  | 71 |

### 五

|               |    |
|---------------|----|
| 1. 至上平衡 ..... | 73 |
| 2. 吃果子 .....  | 74 |

---

|                  |    |
|------------------|----|
| 3. 大虫比人神圣 .....  | 75 |
| 4. 古典中的神 .....   | 76 |
| 5. 精神能量 .....    | 81 |
| 6. 道德完善的理想 ..... | 83 |
| 7. 如何发展直觉 .....  | 85 |

## 六

|                  |    |
|------------------|----|
| 1. 精神层级 .....    | 88 |
| 2. 同一化之偏至 .....  | 90 |
| 3. 显示中的分别 .....  | 91 |
| 4. 接受神圣“爱” ..... | 92 |
| 5. 出离私我 .....    | 93 |
| 6. 心思底努力 .....   | 94 |
| 7. 定 命 .....     | 95 |
| 8. 扶 鸾 .....     | 95 |
| 9. 自动写字 .....    | 98 |

## 七

|                 |     |
|-----------------|-----|
| 讲 说.....        | 102 |
| 《法句经》讲评         |     |
| 1. 八正道、四谛 ..... | 102 |

|           |     |
|-----------|-----|
| 2. 真地狱    | 105 |
| 3. 仁爱而增健康 | 106 |
| 4. 卸除责任   | 107 |
| 5. 展 翼    | 108 |
| 6. 真底孤独   | 110 |
| 7. 快 乐    | 111 |
| 8. 希望的使信  | 112 |
| 9. 犹 磨    | 114 |

## 八

|            |     |
|------------|-----|
| 1. 喜乐有创造   | 116 |
| 2. 喜乐能克服   | 119 |
| 3. 个人与集体修持 | 120 |
| 4. 扩大自己    | 121 |
| 5. 直面“不可能” | 124 |
| 6. 自私性与私我  | 125 |
| 7. 真实理由    | 127 |
| 8. 进步的喜乐   | 128 |

## 九

|          |     |
|----------|-----|
| 1. 心理完善化 | 130 |
|----------|-----|

|                |     |
|----------------|-----|
| 2. 永生精神.....   | 135 |
| 3. 心灵平等.....   | 136 |
| 4. 作为之缠结.....  | 138 |
| 5. 法 力.....    | 140 |
| 6. 作法为害.....   | 140 |
| 7. 痛 苦.....    | 141 |
| 8. 神圣火焰中心..... | 142 |
| 9. 瑜伽异于宗教..... | 144 |
| 10. 宗教与实践..... | 145 |
| 11. 宗教的助益..... | 145 |
| 12. 心与身.....   | 148 |

## +

|                |     |
|----------------|-----|
| 1. 超心思的降临..... | 149 |
| 2. 新民族.....    | 149 |
| 3. 应取的态度.....  | 150 |
| 4. 得 益.....    | 150 |
| 5. 克服困难较易..... | 151 |
| 6. 人 数.....    | 152 |
| 7. 自化为超人.....  | 152 |
| 8. 下降与显示.....  | 155 |

---

|                |     |
|----------------|-----|
| 9. 顿 悟.....    | 156 |
| 10. 卜之以书.....  | 160 |
| 11. 机械化观照..... | 162 |
| 12. 静 虑.....   | 162 |
| 13. 橘与橘皮.....  | 163 |
| 14. 数 字.....   | 164 |
| 15. 学生文凭.....  | 167 |

## 十一

|                   |     |
|-------------------|-----|
| 1. 理智之度入超心思.....  | 169 |
| 2. 超心思之入教育原地..... | 170 |
| 3. 体 育.....       | 175 |
| 4. 阴暗底出生.....     | 178 |
| 5. 心灵之托生.....     | 179 |
| 6. 玄秘光明.....      | 182 |
| 7. 内中底神示.....     | 182 |
| 8. 思智的工事.....     | 183 |
| 9. 由爱而实践.....     | 184 |
| 10. 抑郁与喜乐.....    | 184 |
| 11. 心中双重作用.....   | 186 |
| 12. 冲动与灵感.....    | 187 |

---

|                   |     |
|-------------------|-----|
| 13. 随顺心灵.....     | 187 |
| 14. 内中光明.....     | 188 |
| 15. 启开内室.....     | 189 |
| 16. 恒常扩大与完善化..... | 190 |
| 17. 流 星.....      | 192 |
| 18. 坏思想.....      | 193 |
| 19. 达到真理知觉性.....  | 196 |
| 20. 身体上的需要.....   | 197 |
| 21. 道德之助.....     | 197 |
| 22. 超心思律则.....    | 198 |
| 23. 与一取.....      | 199 |
| 24. 改善睡眠.....     | 200 |

## 十二

|                 |     |
|-----------------|-----|
| 1. 精神与物质为一..... | 202 |
| 2. 二元性的趣味.....  | 204 |
| 3. 结合不恒常.....   | 206 |
| 4. 文学意像.....    | 206 |
| 5. 企慕之机械化.....  | 206 |
| 6. 敬拜女神.....    | 208 |
| 7. 象 征.....     | 210 |

---

|                |     |
|----------------|-----|
| 8. 基本美德.....   | 212 |
| 9. 美德之集体化..... | 212 |
| 10. 永不当忘记..... | 213 |
| 11. 观见之事.....  | 217 |
| 12. 八月十五日..... | 220 |
| 13. “无为”.....  | 221 |
| 14. 升天节.....   | 225 |

### 十三

|                |     |
|----------------|-----|
| 1. 证会表相.....   | 225 |
| 2. 进化速度.....   | 226 |
| 3. 实践方法.....   | 227 |
| 4. 悅乐基础.....   | 229 |
| 5. 镇 静.....    | 231 |
| 6. 欲望心灵.....   | 234 |
| 7. 受 賜.....    | 234 |
| 8. 转化欲心.....   | 235 |
| 9. 接 见.....    | 236 |
| 10. 扩大知觉性..... | 239 |
| 11. 自 忘.....   | 240 |
| 12. 自 然.....   | 241 |

|                   |     |
|-------------------|-----|
| 13. 宇宙心思创造思想..... | 245 |
| 14. 思想之形成.....    | 246 |
| 15. 发问之权.....     | 247 |
| 16. 应作什么.....     | 247 |
| 17. 教育之一体.....    | 249 |
| 18. 关于答问.....     | 249 |

## 第四辑

|                   |     |
|-------------------|-----|
| 答 问.....          | 253 |
| 1. 最大胜利最少喧声 ..... | 253 |
| 2. 大改变 .....      | 255 |
| 3. 主 制 .....      | 257 |
| 4. 教 学 .....      | 259 |
| 5. 学生自由 .....     | 261 |
| 6. 友 道 .....      | 263 |
| 7. 寻 求 .....      | 266 |
| 8. 不可能而可能 .....   | 271 |
| 9. 势 力 .....      | 274 |
| 10. 疾 病 .....     | 279 |
| 11. 药 物 .....     | 281 |
| 12. 心思治疗不足 .....  | 282 |

---

|                    |     |
|--------------------|-----|
| 13. 效果因人而异 .....   | 284 |
| 14. 罪 性 .....      | 284 |
| 15. 事物各当其位 .....   | 286 |
| 16. 为人类服务 .....    | 290 |
| 17. 慈善事业 .....     | 292 |
| 18. 创造世界 .....     | 294 |
| 19. 善 愿 .....      | 296 |
| 20. 个人胜利 .....     | 297 |
| 21. 整个“神圣者” .....  | 297 |
| 22. “神圣者”的吸引 ..... | 299 |
| 23. 觉醒与善恶之相对 ..... | 300 |
| 24. 选 拔 .....      | 302 |
| 25. 分层组合 .....     | 304 |
| 26. 成 就 .....      | 306 |
| 27. 见到印度自由 .....   | 306 |
| 28. 论自性 .....      | 308 |
| 29. 论一体 .....      | 309 |
| 30. 自外来者 .....     | 310 |
| 31. 机动力量的一体 .....  | 312 |
| 32. 轮 转 .....      | 314 |
| 33. 《薄伽梵歌》 .....   | 315 |
| 34. 神 我 .....      | 317 |

|                     |     |
|---------------------|-----|
| 35. 出 神 .....       | 318 |
| 36. 同一化 .....       | 321 |
| 37. 解释无尽 .....      | 322 |
| 38. 增加悟性 .....      | 323 |
| 39. 独一关系 .....      | 324 |
| 40. 允 言 .....       | 325 |
| 41. 体 育 .....       | 327 |
| 42. 燃 火 .....       | 330 |
| 43. 救助远人 .....      | 331 |
| 44. 祈祷的内容 .....     | 333 |
| 45. 恩 慈 .....       | 334 |
| 46. 人 定 .....       | 335 |
| 47. 生命意志 .....      | 339 |
| 48. 超心思之效果 .....    | 342 |
| 49. 回 堕 .....       | 343 |
| 50. 存 爱 .....       | 345 |
| 51. 权 能 .....       | 347 |
| 52. 出离物理知觉 .....    | 348 |
| 53. 以心灵力量直面人生 ..... | 349 |
| 54. 非所预料的逻辑 .....   | 350 |
| 55. 心思损减经验 .....    | 355 |
| 56. 人死后如何,投生如何..... | 358 |

---

|                     |     |
|---------------------|-----|
| 57. 常 乐 .....       | 363 |
| 58. 牧 者 .....       | 364 |
| 59. 人格宇宙化 .....     | 365 |
| 60. 宇宙化之征 .....     | 366 |
| 61. 有秩序底直觉 .....    | 368 |
| 62. 精神化 .....       | 368 |
| 63. 爱的容受 .....      | 370 |
| 64. 型 范 .....       | 371 |
| 65. 男女之别 .....      | 375 |
| 66. 心思先转化 .....     | 377 |
| 67. 直接转化 .....      | 377 |
| 68. 神圣“意志”之准可 ..... | 379 |
| 69. 两可能性 .....      | 379 |
| 70. 再论男女分别 .....    | 380 |
| 71. 集体瑜伽 .....      | 384 |
| 72. 超心思内在 .....     | 388 |
| 73. 难 寻 .....       | 391 |
| 74. 人类的优越 .....     | 393 |
| 75. 知觉性之下降 .....    | 395 |
| 76. 进 化 .....       | 396 |
| 77. 企慕超人 .....      | 400 |
| 78. 最初人类型 .....     | 402 |

|                     |     |
|---------------------|-----|
| 79. 性灵的进步 .....     | 405 |
| 80. “自然”的秘密 .....   | 407 |
| 81. 思心的帮助 .....     | 409 |
| 82. 心思的生长 .....     | 412 |
| 83. 乐器喻 .....       | 413 |
| 84. 见证转化 .....      | 413 |
| 85. 狮子人 .....       | 414 |
| 86. 无偏好 .....       | 416 |
| 87. 另眼看事 .....      | 417 |
| 88. 能力聚散 .....      | 418 |
| 89. 集 中 .....       | 419 |
| 90. 十二月二十五日 .....   | 419 |
| 91. 能力更新 .....      | 419 |
| 92. 能力渊源 .....      | 420 |
| 93. 静虑与集中 .....     | 421 |
| 94. 圆满集中 .....      | 422 |
| 95. 梦的母亲 .....      | 422 |
| 96. 免除抑郁 .....      | 423 |
| 97. 正确判断 .....      | 424 |
| 98. 身体及其活动之转化 ..... | 425 |
| 99. 翻转知觉性 .....     | 427 |
| 100. 唯物论之说 .....    | 428 |